International Journal of Arts, Humanities and Social Studies

ISSN Print: 2664-8652
ISSN Online: 2664-8660
Impact Factor: RJIF 8
IJAHSS 2025; 7(1): 386-389
www.socialstudiesjournal.com
Received: 03-02-2025
Accepted: 02-03-2025

डॉ. किशोर कुमार डावर
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य, स्वामी विवेकानंद शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
डॉ. किशोर कुमार डावर
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य, स्वामी विवेकानंद शासकीय वाणिज्य महाविद्यालय, रतलाम, मध्य प्रदेश, भारत

भारत में खेल सामान उद्योग - एक विश्लेषण

किशोर कुमार डावर

DOI: https://www.doi.org/10.33545/26648652.2025.v7.i1e.196

सारांश
भारतीय संत परंपरा में योग और शारीरिक व्यायाम का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कबीर, तुलसीदास और सूरदास के साहित्य में योग की आध्यात्मिक और भौतिक व्याख्या गहराई से की गई है। उनके काव्य में शारीरिक अनुशासन, योग साधना और ध्यान के माध्यम से आत्मज्ञान की प्राप्ति का मार्ग दिखाया गया है। यह शोध-पत्र इन तीन महान संत कवियों के साहित्य में योग और व्यायाम के महत्व को

कूट शब्द: शारीरिक, केवल, आत्मशुद्धि

प्रस्तावना
भारत का खेल सामान उद्योग लगभग एक सदी पुराना है और वैश्विक बाजार में एक प्रमुख स्थान रखता है। यह उद्योग कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होकर फल-फूल रहा है और रोजगार सृजन और देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए जाना जाता है। भारत वर्तमान में 300 से अधिक खेल-संबंधी सामान जैसे खिलौने, वीडियो गेम कंसोल और लेख, उत्सव और कार्निवल लेख, जिमनास्टिक और खेल के सामान, मछली पकड़ने के सामान, आउटडोर खेल, खिलौने आदि का निर्माण करता है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, जम्मू और पश्चिम बंगाल भारत के शीर्ष खेल सामान उत्पादक राज्यों में से हैं। इनमें से, पंजाब का जालंधर शहर और उत्तर प्रदेश का मेरठ शहर देश के कुल उत्पादन का लगभग 75-80% हिस्सा है।

निर्यात और रोजगार
भारतीय खेल के सामान का लगभग 60% निर्यात किया जाता है और भारत में खेल के सामान के विनिर्माण क्षेत्र में लगभग 500,000 लोग कार्यरत हैं। भारतीय खेल के सामान का बाजार 2020-21 में 3.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2027 तक 6.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

प्रमुख विनिर्माण क्लस्टर

भारत में खेल उत्पादों के निर्माण के सात महत्वपूर्ण शहर हैं। अपने अनुभव के आधार पर, खेल उत्पादों के निर्माण के लिए दो क्लस्टर शहर जालंधर और मेरठ में 3000 से अधिक विनिर्माण इकाइयाँ और 130 निर्यातक हैं, जो कुल उत्पादन का लगभग 82% हिस्सा हैं। अधिकांश खेल और फिटनेस उत्पाद वर्तमान में छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों (एसएमई) द्वारा बनाए जाते हैं।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा

वैश्विक खेल सामान उद्योग कई स्थापित बहुराष्ट्रीय खिलाड़ियों की उपस्थिति के कारण अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। खेल के सामान का अधिकांश उत्पादन एशिया- प्रशांत क्षेत्र को आउटसोर्स किया जाता है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े खेल सामान निर्माण क्षेत्रों में से एक बन जाता है। 2022 में, भारत दुनिया का 22वां सबसे बड़ा निर्यातक था, जिसने 198 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के खेल उपकरण निर्यात किए।

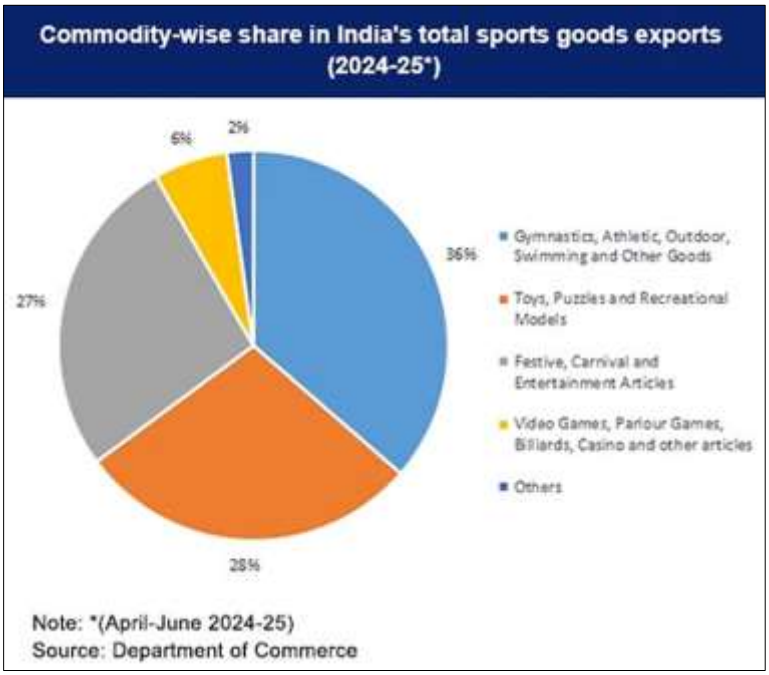

निर्यात प्रवृत्तियाँ

भारत सभी प्रकार के खेल के सामान जैसे खिलौने, मनोरंजक खेल, पहेलियाँ, वीडियो गेम, पार्लर और बिलियर्ड गेम, कैसीनो लेख, त्यौहार, कार्निवल और मनोरंजन लेख, जिमनास्टिक लेख, तैराकी और आउटडोर खेल उपकरण, मछली पकड़ने और शिकार के उपकरण, झूले, सर्कस, शूटिंग गैलरी और मेला ग्राउंड मनोरंजन लेख निर्यात करता है। अप्रैल-जून 2024-25 के बीच, भारत ने 131.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के खेल के सामान का निर्यात किया।

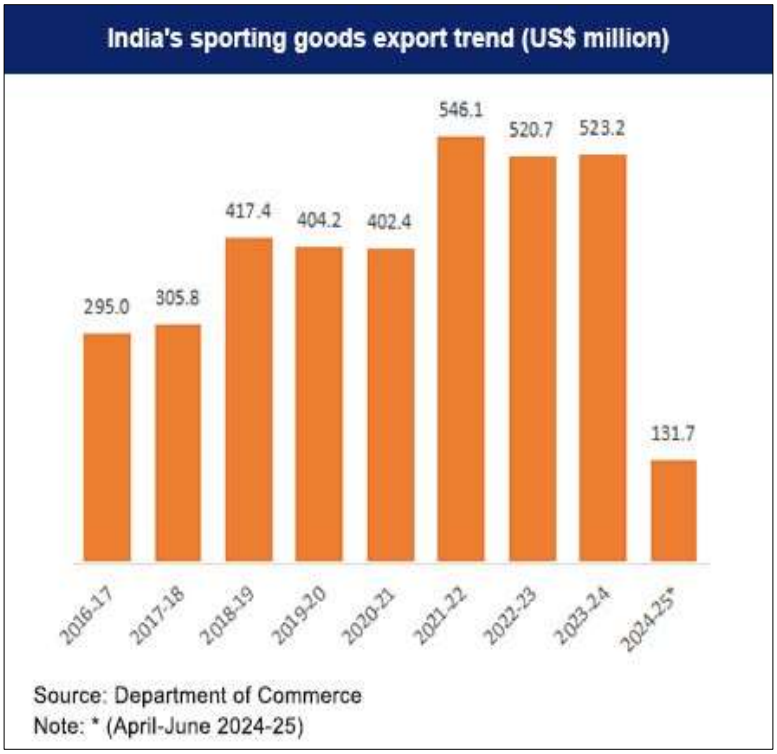

प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सोर्सिंग गंतव्य

भारत मिटर, लोट्टो, अम्ब्रो और विल्सन जैसे वैश्विक ब्रांडों के लिए इन्फ्लेटेबल बॉल और अन्य खेल के सामान के लिए अग्रणी अंतरराष्ट्रीय सोर्सिंग गंतव्यों में से एक है। 2022-23 के दौरान, जिमनाज़ियम/एथलेटिक आवश्यकताओं और क्रिकेट उपकरणों ने निर्यात में 4% का योगदान दिया, जबकि फुटबॉल उपकरण और वाटर सर्फिंग बोर्ड ने निर्यात में क्रमशः 2% और 1% का योगदान दिया। पिछले दशक (2010-2020) के दौरान, भारत ने टेबल टेनिस, टेनिस, बैडमिंटन और इसी तरह के रैकेट के लिए लेखों और उपकरणों के निर्यात में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाई है, निर्यात में तीस गुना वृद्धि के साथ। 2019 में, टेनिस उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 1.2% हो गई।

निर्यात गंतव्य

भारत, एशिया में तीसरा सबसे बड़ा निर्माता, एथलेटिक सामान बाजार में एक बड़ा भागीदार बन गया है और इसने अपनी सॉफ्ट पावर को बढ़ाने में बड़ी प्रगति की है। भारत अमेरिका, चीन, यूके और ऑस्ट्रेलिया सहित 200 से अधिक देशों को एथलेटिक वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्यात करता है। वस्तुओं में इन्फ्लेटेबल बॉल, सामान्य व्यायाम उपकरण, क्रिकेट गियर, कपड़े और बहुत कुछ शामिल हैं। 2023-24 में यूएसए को निर्यात किए गए खेल के सामान की मात्रा 189.49 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। 2023-24 में यूएसए, यूके और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में क्रमशः 36%, 14% और 6% की वृद्धि हुई, जो क्रमशः 189.49 मिलियन अमेरिकी डॉलर, 75.05 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 33.09 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई। अप्रैल 2024 से जून 2024 तक, अमेरिका को निर्यात 48.86 मिलियन अमेरिकी डॉलर, यूके को 15.63 मिलियन अमेरिकी डॉलर, ऑस्ट्रेलिया को 8.95 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जर्मनी को 7.92 मिलियन अमेरिकी डॉलर और नीदरलैंड को 6.23 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

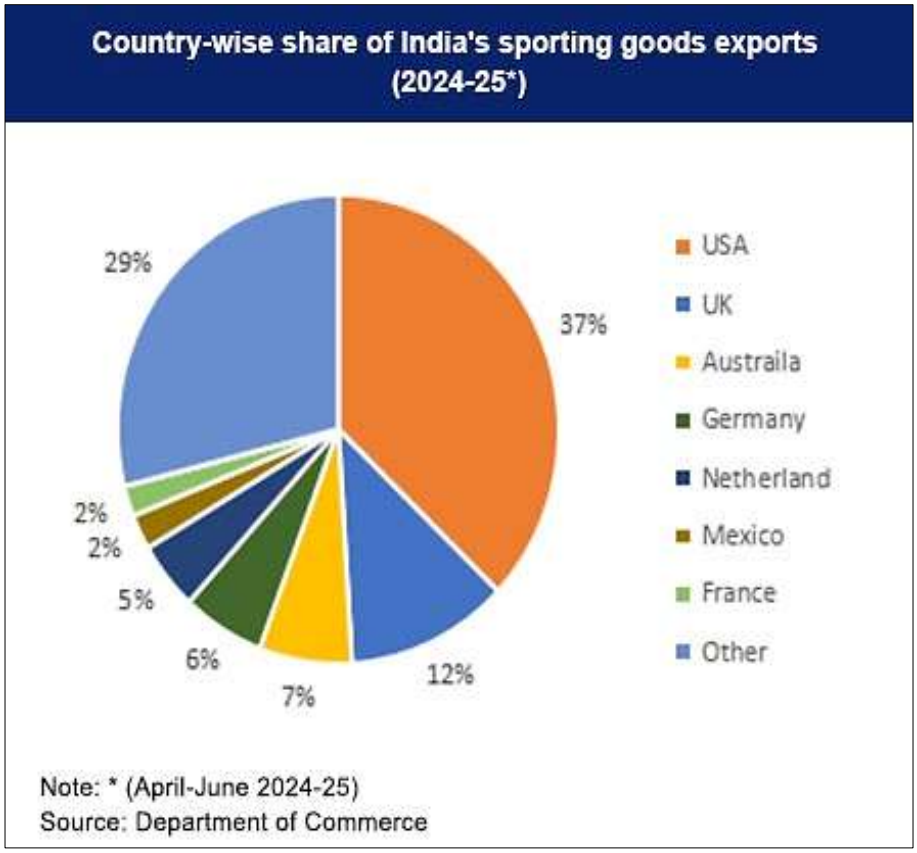

सरकारी पहल

भारतीय खेल सामग्री के विकास और प्रदर्शन के लिए, स्पोर्ट्स गुड्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (SGEPC) नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू व्यापार कार्यक्रमों का आयोजन करती है। मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (MAI) योजना को भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बढ़ावा देने और निर्यात करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाने के लिए लागू किया गया है। निर्यातित उत्पादों और कर्तव्यों की क्षमा (RoDE) के लिए योजना भी भारतीय निर्यातकों का समर्थन करने के लिए लागू की गई है।

बाजार विकास सहायता (MDA) योजना

MDA योजना मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात प्रचार गतिविधियों में निर्यातकों की सहायता के लिए काम करती है। योजना भी अपने उत्पादों के लिए निर्यात प्रचार गतिविधियों को करने में संबंधित निर्यात प्रचार परिषदों को सहायता प्रदान करती है। इसी तरह, इस योजना के माध्यम से, सरकार LAC, अफ्रीका, CIS, और ASEAN अर्थव्यवस्थाओं जैसे अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों पर निर्यात प्रचार कार्यक्रमों को ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

बाजार पहुंच पहल (MAI)

MAI योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत, निर्यात और व्यापार प्रचार संगठनों, राष्ट्रीय संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, निर्यातकों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। वित्तीय सहायता के तहत कवर किए गए पैरामीटर विपणन परियोजनाएं, क्षमता वृद्धि, वैधानिक अनुपालन का समर्थन, अध्ययन, अनुसंधान, परियोजना विकास, और भारत में कुटीर और हस्तशिल्प इकाइयों का समर्थन शामिल होंगे।

शासक निकाय

स्पोर्ट्स गुड्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (SGEPC) एक भारत सरकार द्वारा प्रायोजित संगठन है जो भारतीय खेल सामग्री और खिलौनों के निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है। परिषद देश के अग्रणी निर्माताओं और निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करती है। SGEPC की मुख्य गतिविधियों में व्यापार प्रचार, सूचना प्रसार, निर्यात सांख्यिकी ट्रैकिंग और प्रक्षेपण शामिल हैं। SGEPC अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भारतीय भागीदारी, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों के दौरे, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रचार अभियानों जैसी व्यापार प्रचार गतिविधियों का आयोजन करती है।

निष्कर्ष

भारत का खेल सामान उद्योग न केवल देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा रहा है। निर्यात में निरंतर वृद्धि और विविधता इस क्षेत्र की सफलता का प्रमाण है। भारत के खेल सामान उद्योग का भविष्य उज्ज्वल दिखाई दे रहा है, और यह उद्योग आगामी वर्षों में और भी अधिक ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है। सरकारी पहल, जैसे कि मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (MAI) योजना और निर्यातित उत्पादों पर शुल्क की क्षमा (RoDE) योजना, ने भारतीय खेल सामग्री के निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, स्पोर्ट्स गुड्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (SGEPC) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय और घरेलू व्यापार कार्यक्रमों ने भारतीय निर्माताओं को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान किया है। मेरठ और जालंधर जैसे प्रमुख विनिर्माण क्लस्टर शहरों की भूमिका इस उद्योग की सफलता में अहम रही है। इन शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले खेल सामानों का निर्माण किया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हैं। इसके अलावा, छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों (एसएमई) की सक्रियता ने इस उद्योग को विविधता और स्थिरता प्रदान की है। भविष्य में, खेल सामग्री उद्योग के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक होगा। उच्च गुणवत्ता वाले, अनुकूलित और प्रतिस्पर्धी टिकाऊ उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ, इस उद्योग को निरंतर अनुसंधान और विकास में निवेश करने की आवश्यकता है। भारत के खेल सामान उद्योग का यह गहन विश्लेषण इस क्षेत्र की विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करता है और इसके उज्ज्वल भविष्य के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है। इस उद्योग के विकास और प्रगति के साथ, भारत न केवल एक प्रमुख खिलाड़ी बनेगा बल्कि वैश्विक खेल बाजार में अपनी मजबूत पहचान भी बनाए रखेगा।

सन्दर्भ सूची

1. https://www.investindia.gov.in/blogs/indias-sports-manufacturing-industry-driving-economic-growth-and-exporting-excellence
2. http://sgmea.org/sports_goods_industry_of_india
3. https://www.ibef.org/exports/sports-industry-india